



प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 01.04.2026

एन एम पी ए ने समुद्री प्रतिकूलताओं और भारतीय बंदरगाह अधिनियम 2025 पर समुद्री संगोष्ठी का आयोजन किया

न्यू मंगलौर पोर्ट अथॉरिटी ने बुधवार, 01 अप्रैल 2026 को मंगलौर में "समुद्री प्रतिकूलताएँ और हितधारकों की भूमिका" और "भारतीय बंदरगाह अधिनियम 2025" विषय पर समुद्री संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस सेमिनार में समुद्री हितधारकों, उद्योग विशेषज्ञों, बंदरगाह उपयोगकर्ताओं और सरकारी अधिकारियों को एक साथ लाया गया ताकि उभरती समुद्री चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जा सके और बंदरगाह प्रशासन और परिचालन दक्षता को मजबूत करने में भारतीय बंदरगाह अधिनियम 2025 के निहितार्थों पर चर्चा की जा सके।

कप्तान। एन एम पी ए के उप संरक्षक मनोज जोशी ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और समुद्री प्रतिकूलताओं से निपटने तथा सुरक्षित एवं कुशल बंदरगाह संचालन सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला।

नई मंगलौर बंदरगाह प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती. शांती ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री दर्शन एच वी (आईएएस), उपायुक्त, दक्षिण कन्नड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में संगोष्ठी का उद्घाटन किया। श्री नंदकुमार वी एम आर पी एल के निदेशक (रिफाइनरी) पिल्लई ने कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लिया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में, श्रीमती. शांति ने समुद्री चुनौतियों से निपटने और बंदरगाहों पर परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए हितधारक समन्वय, तैयारी और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नियामक ढांचे को मजबूत करने और बंदरगाहों में शासन में सुधार लाने में भारतीय बंदरगाह अधिनियम 2025 के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने समुद्री सप्ताह के महत्व पर जोर देते हुए समुद्री क्षेत्र की ताकत और भविष्य तथा बंदरगाहों, जहाजरानी, नाविकों और सभी हितधारकों के योगदान पर प्रकाश डाला जो व्यापार और रसद को चलाते हैं।

मुख्य अतिथि श्री दर्शन एच वी आईएएस ने सेमिनार के आयोजन में एनएमपीए द्वारा की गई पहल की सराहना की और समुद्री जोखिमों, सुरक्षा को संबोधित करने और सुचारु बंदरगाह

संचालन सुनिश्चित करने के लिए सरकारी एजेंसियों, उद्योग हितधारकों और बंदरगाह प्राधिकरणों के बीच मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

अतिथिवरताम् श्री नंदकुमार वी पिल्लई ने बंदरगाह-उद्योग सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला और इस क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने में बंदरगाहों की भूमिका पर जोर दिया।

संगोष्ठी में कैप्टन द्वारा व्यावहारिक तकनीकी सत्र शामिल थे। एल क। पांडा, पूर्व नौसेना सलाहकार, भारत सरकार, और कैप्टन। आनंद डब्ल्यू। कारकरे, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के पूर्व उप संरक्षक, जिन्होंने समुद्री प्रतिकूलताओं, जोखिम कम करने की रणनीतियों और भारतीय बंदरगाह अधिनियम 2025 के तहत नियामक पहलुओं पर अपनी विशेषज्ञता साझा की।

संगोष्ठी में समुद्री हितधारकों, शिपिंग एजेंटों, बंदरगाह उपयोगकर्ताओं, लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों और विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।



Press Note

Date: 01.04.2026

NMPA Organizes Maritime Seminar on Maritime Adversities and Indian Port Act 2025

New Mangalore Port Authority successfully organized the Maritime Seminar on the theme “Maritime Adversities and Role of Stakeholders” and “Indian Port Act 2025” on Wednesday, 01 April 2026 in Mangalore.

The seminar brought together maritime stakeholders, industry experts, port users, and government officials to deliberate on emerging maritime challenges and discuss the implications of the Indian Port Act 2025 in strengthening port governance and operational efficiency.

Capt. Manoj Joshi, Deputy Conservator, NMPA, welcomed the dignitaries and participants and highlighted the importance of collaborative efforts among stakeholders to address maritime adversities and ensure safe and efficient port operations.

Smt. S. Shanthi, Deputy Chairperson, New Mangalore Port Authority, presided over the function. Shri Darshan H. V. (IAS), Deputy Commissioner, Dakshina Kannada, inaugurated the seminar as the Chief Guest. Shri Nandakumar V. Pillai, Director (Refinery), MRPL, attended the programme as the Guest of Honour.

In her presidential address, Smt. S. Shanthi emphasized the importance of stakeholder coordination, preparedness, and adoption of best practices to overcome maritime challenges and enhance operational efficiency at ports. She also highlighted the significance of the Indian Port Act 2025 in strengthening regulatory frameworks and improving governance across ports. She also emphasised on significance of Maritime Week by highlighting its strength & future of maritime sector & contribution of ports, shipping, seafarers and all the stakeholders who keep trade and logistics moving.

Chief Guest Sri Darshan H. V. (IAS) appreciated the initiative taken by NMPA in organizing the seminar and stressed the need for strong coordination among government agencies, industry stakeholders, and port authorities to address maritime risks, security and ensure smooth port operations.

Guest of Honour Shri Nandakumar V. Pillai highlighted the importance of port-industry collaboration and emphasized the role of ports in ensuring energy security and industrial growth in the region.

The seminar featured insightful technical sessions by Capt. L. K. Panda, Former Nautical Adviser, Government of India, and Capt. Anand W. Karkare, Former Deputy Conservator, Mumbai Port Authority, who shared their expertise on maritime adversities, risk mitigation strategies, and regulatory aspects under the Indian Port Act 2025.

The seminar witnessed active participation from maritime stakeholders, shipping agents, port users, logistics operators, and officials from various government and private organizations.



प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 01.04.2026

एन एम पी ए ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में 50.04 मिलियन टन के रिकॉर्ड कार्गो हैंडलिंग का लक्ष्य हासिल किया

मंगलूरु, 1 अप्रैल, 2026:

न्यू मंगलूर पोर्ट अथॉरिटी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 50.04 मिलियन टन (एमटी) कार्गो को संभालकर एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है, जो अब तक का सबसे अधिक वार्षिक कार्गो थ्रूपुट है। गौरतलब है कि यह उपलब्धि बंदरगाह के 50वें वित्तीय वर्ष के दौरान हुई है, जो इसे स्वर्ण जयंती वर्ष में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बनाती है।

यह रिकॉर्ड प्रदर्शन पोर्ट और उसके हितधारकों के बीच निरंतर विकास, परिचालन दक्षता और मजबूत सहयोग को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारत के पश्चिमी तट पर एक प्रमुख समुद्री प्रवेश द्वार के रूप में एनएमपीए की स्थिति को और मजबूत करती है।

एन एम पी ए ने एम आर पी एल, के आई ओ सी एल, जे एस डब्ल्यू, एच पी सी एल, आई ओ सी एल, बी पी सी एल और अन्य मूल्यवान बंदरगाह उपयोगकर्ताओं को पोर्ट की सेवाओं में उनके निरंतर समर्थन और विश्वास के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। बंदरगाह ने सीमा शुल्क, मंगलूरु; मर्केटाइल मरीन डिपार्टमेंट; पोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन; राज्य सरकार के विभागों; व्यापार निकायों; लॉजिस्टिक्स भागीदारों; और सभी हितधारकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया जिनके समन्वित प्रयासों ने इस मील के पत्थर को प्राप्त करने में योगदान दिया।

एन एम पी ए ने अपने कर्मचारियों, अधिकारियों और सेवा प्रदाताओं के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की, जिनकी प्रतिबद्धता और टीम वर्क ने आई आर एस एम ई, अध्यक्ष श्री सुशील कुमार सिंह और श्रीमती एस. शांती, उपाध्यक्ष, एन एम पी ए के नेतृत्व में पोर्ट को इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग प्रदर्शन तक पहुंचने में सक्षम बनाया।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि दक्षता बढ़ाने, कार्गो हैंडलिंग क्षमताओं का विस्तार करने और क्षेत्रीय व्यापार और आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए एनएमपीए की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस उपलब्धि का जश्न शाम को केक काटने के समारोह के साथ बंदरगाह कर्मचारियों, उपयोगकर्ताओं और हितधारकों द्वारा मनाया गया।



Press Note

Date: 01.04.2026

NMPA Achieves Record Cargo Handling of 50.04 Million Tonnes in its Golden Jubilee Year

Mangalore, 1st April, 2026:

New Mangalore Port Authority has achieved a historic milestone by handling 50.04 Million Tonnes (MT) of cargo during the financial year 2025-26, marking its highest-ever annual cargo throughput. Significantly, this achievement comes during the 50th financial year of the Port, making it a landmark accomplishment in the Golden Jubilee year.

This record performance reflects the sustained growth, operational efficiency, and strong collaboration between the Port and its stakeholders. The achievement further strengthens NMPA's position as a key maritime gateway on the west coast of India.

NMPA expresses its sincere gratitude to MRPL, KIOCL, JSW, HPCL IOCL, BPCL and other valued port users for their continued support and trust in the Port's services. The Port also acknowledged the vital role played by Customs, Mangalore; Mercantile Marine Department; Port Health Organization; State Government departments; trade bodies; logistics partners; and all stakeholders whose coordinated efforts contributed to achieving this milestone.

NMPA also appreciated the dedicated efforts of its employees, officers, and service providers whose commitment and teamwork under the leadership of Shei Sushil Kumar Singh, IRSME, Chairman & Smt S. Shanthi, Deputy Chairperson, NMPA enabled the Port to reach this record-breaking performance.

This historic achievement reflects NMPA's continued commitment to enhancing efficiency, expanding cargo handling capabilities, and supporting regional trade and economic growth. This achievement was celebrated by a cake cutting ceremony along with the port employees, users and stakeholders in the evening.